No. of Printed Pages : 4

**बी.एस.के.एफ.-001**

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## बी.एस.के.एफ.-001 : संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

---

***नोट :*** *इस प्रश्न-पत्र में कुल* ***10 (दस)*** *प्रश्न दिए गए हैं ।* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं । दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए ।*

---

**1.** (क) निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए : *2*

महत्व, शालिनता, कृतक्रित्य, सनदेह, निरोग, अस्पस्टता

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से किसी ***एक*** को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : *2*

(अ) त्वं कथं ________ ?

(हसामि, हससि)

(ब) नृपः ________ गां ददाति ।

(नृपे, नृपाय)

(स) ते मां ________ हसन्ति ।

(दृष्ट्वा, दृष्टवान्)

(द) ________ सह छात्रः आगतः ।

(गुरुणा, गुरुम्)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिए : *2*

(अ) राम (पुँल्लिंग), तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) नदी (स्त्रीलिंग), चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) मधु (नपुंसकलिंग), प्रथमा विभक्ति, द्विवचन

(द) मातृ (स्त्रीलिंग), द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** धातुरूपों में धातु, लकार, पुरुष एवं वचन लिखिए : *2*

भवामः, अहसः, अलिखम्, पठेयुः ।

3. निम्नलिखित पदों में से धातु एवं प्रत्यय को अलग करके प्रस्तुत कीजिए : *4*

आसीन, नेता, करणीय, पठित ।

4. कर्तृवाच्य के निम्नलिखित प्रयोगों का कर्मवाच्य में प्रयोग कीजिए : *4*

(क) सीता गीतां पश्यति ।

(ख) पिता ग्रामं गच्छति ।

(ग) सः जलं पिबति ।

(घ) श्रमिकाः वेतनं लभन्ते ।

5. (क) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं ***दो*** के सन्धि-विच्छेद कीजिए : *2*

देव्यस्ति, वागीशः, तथैव, जगन्नाथः ।

(ख) निम्नलिखित वर्णों में से किन्हीं ***दो*** के उच्चारण स्थान लिखिए : *2*

ञ्, प्, क्, श् ।

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** विषयों पर लगभग 100 – 150 शब्दों में आलेख लिखिए : *8*

(क) चरक संहिता

(ख) काव्यस्वरूप

(ग) संस्कृत गद्य काव्य

(घ) कठोपनिषद्

**7.** निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए : *8*

(क) कोरोना – 'महामारी'

(ख) सत्सङ्गतेः महत्त्वम्

(ग) संस्कृत भाषा

(घ) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्

**8.** निम्नलिखित श्लोक का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए : *4*

केयूराणि न भूषयन्ति, पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

**9.** निम्नलिखित में से किसी ***एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *4*

(क) न परिचयं रक्षति । नाभिजनमीक्षते । न रूपमालोकयते । न कालक्रममनुवर्तते । न शीलं पश्यति । न वैदग्ध्यं गणयति । न श्रुतमाकर्णयति । न धर्ममनुरुध्यते । न त्यागमाद्रियते । न विशेषज्ञतां परिचाययति । नाचारं पालयति । न सत्यमवबुध्यते । न लक्षणं प्रमाणीकरोति । गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति ।

(ख) दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य ।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।।

(ग) निवार्यतामालि किमप्ययं वटुः पुनर्विवक्षुः स्फुरितोत्तराधरः ।
न केवलं यो महतोऽपभाषते श्रृणोति तस्मादपि यः स पापभाक् ।।

**10.** औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रलेखन की शैली पर प्रकाश डालिए । *6*

**अथवा**

आप दिल्ली विश्वविद्यालय में पढते हैं और माता-पिता व अपने परिवार से दूर हैं । पिता को संस्कृत में पत्र लिखकर अपना कुशलक्षेम प्रेषित करें ।